

20/11/19

क. प्राचीन विद्यापीठ / विद्यापीठ
 प्रा. पत्र 251 (क) 4. 2. 11 वृत्ती
 पुणे जिल्हा प्राचीन विद्यापीठ के अधीन
 के अर्धीन व्यापारिकी वृत्ती
 हाण वृत्ती वेराया 62 के
 हाण वृत्ती वरकर 849,
 850, 851, 853, 854, 855
 कुल किल. 6 का कुल वरकर
 2.39 हे. वरकर वराल वेराया
 61 के हाण वरकर वरकर
 856, वरकर 3-30 के. वरकर
 हाण काठरपुरा वरकर वरकर
 जिल्हा जयपुर के विद्यापीठ
 उराल वरकर के प्राचीन विद्यापीठ के
 मकाना, पशुमो. के वरकर वरकर
 प्राचीन विद्यापीठ के वरकर वरकर
 विद्यापीठ कर वरकर प्राचीन विद्यापीठ
 की वरकर के वरकर - जाणे
 हेतु जोडे राखत मो. पु. उ. वरकर
 राखत के अभाव के लाली
 वरकर वरकर वरकर करणे
 पड वरकर

2

प्राचीन विद्यापीठ की व्यापारिकी
 उत्तरी मो. अर्धीन वेराया
 1 की वरकर 1201 व 1202
 अर्धीन वरकर जो कि चौकी
 की हाण मो. पु. उ. वरकर
 वरकर पर अर्धीन वरकर

कृषि रास्ता बना हुआ है
 जिस रास्ते प्राथमिक आते-
 जाते है जिसको रास्ता रिफाई
 के क वषरों के रास्ता डप
 करवाने का निर्देश किया है

पत्रावली पर पेश प्रमाणित
 नकाश दिनांक 20/6/18 के
 रफ. नं. 1201, 1202 के रफ. नं.
 1193 में कृ. रास्ते से वरामठ
 वषरों के काम कथी दिखाये
 बुकार दृष्टि से उत्तर की
 ओर पमीटर की चौड़ाई के
 आश कागरपुर के काफड लफ
 रास्ते पर खेवाग खासक डालकर
 नौके पर आवाजाही चाकूटे
 एक रास्ते के उपयोग आग
 इकित किया है

शर्की के प्राथम - पत्र
 क पत्रावली का अवलोकन
 किया गया तदस्मिन्तर चौक
 की रिपोर्ट का अवलोकन
 किया गया रफ. नं. 1201/1202
 रास्ता रिफाई के सिवाय चक
 कृषि के प्राथमिक का डप
 कृषि के वं आगे जाके का
 एक मात्र रास्ता है जिस रास्ते

2

को अधिक अवकाश को देवते
हुये नवसे के मुनातिक विपति
बहुसिमदार चौक की डिगक
२०/६/१८ के अनुसार डी टैड
माहक उन किया जाना उचा
प्रती होला है

अला प्राथमिक प्राथमिक पर
मासिक रूप से करीकार किया
जाकर बहुसिमदार चौक की
विपति डिगक २०/६/१८ के
अनुसार इप. न. १२०१, व. १२०२
के नवसे के डी टैड माहक
अंका करके के बहुसिमदार
चौक को अतिथि डिपे
जाले है विपति की पालन
हो बहुसिमदार चौक को
मिबन पकि

पत्रायकी प्रेषण द्वारा होकर
दूर नखर से कानों लया
हा विपति हपतर हो विपति
रूपसे नयायाम के सुनाया गया

उपखण्ड अधिकारी
चौनु जिला जयपुर

